+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

YOJANA MAGAZINE ANALYSIS

(योजना पत्रिका विश्लेषण)

(वसुधैव कुटुम्बकम)

(November 2023)

(Part I)

TOPICS TO BE COVERED

- जन-समर्थक, पृथ्वी-समर्थक दृष्टिकोण
- G20: पृथ्वी, मानव, शांति और समृद्धि के लिए प्रयास

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

जन-समर्थक, पृथ्वी-समर्थक दृष्टिकोण:

- वर्तमान समय में **दुनिया संघर्षों, विस्थापन, जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक आपदा, विपत्तियों, बीमारियों, वित्तीय अनिश्चितता और असमानता से ग्रस्त** है। इस **तरह की वैश्विक चुनौतियाँ बच्चों और महिलाओं सहित कमजोर लोगों को सबसे अधिक प्रभावित करती** हैं।
- इस निर्णायक चरण में दुनिया से मानवीय पीड़ा को कम करने और सभी की भलाई और समृद्धि की दिशा में एक व्यवस्था स्थापित करने के लिए ठोस कार्रवाई और निरंतर सहयोग की आवश्यकता है।

निर्णय निर्माताओं, वैश्विक समुदायों, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों, सरकारों और नागरिक समाजों सहित विभिन्न हितधारकों से लोगों और **पृथ्वी के लिए बेहतर भविष्य के निर्माण के लिए सहयोग करने की अपेक्षा की जाती है।**

- **इस पृष्ठभूमि में, भारत ने G20 की अध्यक्षता ग्रहण की,** जिसे **कई गंभीर अंतरराष्ट्रीय समस्याओं का जवाब देने और दिशा प्रदान करने की क्षमता वाला एक परिवर्तनकारी क्षण** माना गया।
- ***'वसुधैव कुटुम्बकम (एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य)'*** की भावना के अनुरूप, G20 शिखर सम्मेलन से निकले **'नई दिल्ली घोषणा पत्र' में सकारात्मक समाधान के लिए कार्रवाई बिंदु और निर्देश** स्पष्ट रूप से बताए गए हैं।
- **विश्व युद्ध के बाद पिछले आठ दशकों में** आर्थिक विकास, उपनिवेशवाद की समाप्ति, तकनीकी प्रगति, बेहतर स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचा, विभिन्न क्षेत्रों में सुधार और गहरे **अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के कारण वैश्विक व्यवस्था में नाटकीय परिवर्तन देखे गए** हैं। **21वीं सदी की समसामयिक और परस्पर जुड़ी वैश्विक चुनौतियों से पर्याप्त रूप से निपटने के लिए बहुपक्षवाद की आवश्यकता आज पहले से कहीं अधिक महसूस की जा रही** है।
- **कमजोर वर्गों और निम्न और मध्यम आय वाले देशों के लिए विकास प्रभाव को अधिकतम करने पर निरंतर ध्यान देने** के साथ, अधिक समावेशी और न्यायसंगत विकास के लिए **अंतर्राष्ट्रीय 'विकास वित्तीयन व्यवस्था' को और मजबूत करने की आवश्यकता है।**

- **भारत की अध्यक्षता एक प्रमुख बल ग्लोबल साउथ सहित सभी हितधारकों की समान भागीदारी के साथ दुनिया को अधिक समावेशी बनाना था**। G20 के **स्थायी सदस्य के रूप में अफ्रीकी संघ को शामिल होने से** इसकी चिंताओं, आकांक्षाओं और अंतर्राष्ट्रीय भागीदारी में भागीदार होने से जुड़ी चुनौतियों के दूर होने की उम्मीद है।
- **परिवहन के लिए राजमार्गों, रेलमार्गों और जलमार्गों के नेटवर्क के रूप में 'भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा (IMEC)' बनाने की पहल** का उद्देश्य **एशिया, अरब की खाड़ी और यूरोप के बीच एकीकरण को बढ़ावा देना** और आर्थिक विकास को आगे बढ़ाना है।
- **सतत विकास के प्रति भारत की प्रतिबद्धता के साथ, G20 नेताओं ने हरित विकास समझौते को अपनाया**, जिसने जलवायु परिवर्तन से संबंधित महत्वपूर्ण मामलों को संबोधित करने के लिए उनकी सामूहिक प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया। **इसके साथ ही, रचनात्मक सहयोग की भावना से वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन का गठन किया गया जो भारत की अध्यक्षता की विशेषता थी।**
- G20 की अध्यक्षता ब्राजील को सौंपे जाने के साथ, दुनिया भारतीय अध्यक्षता के दौरान रखी गई नींव पर निर्माण करने के लिए उत्सुक है। **भारत के नेतृत्व में,**

मानव-केंद्रित दृष्टिकोण पर जोर देते हुए समावेशी विकास, डिजिटल बुनियादी ढांचे और स्थिरता को संबोधित किया गया।

- **'नई दिल्ली घोषणा पत्र' मानव-केंद्रित विकास के** कई अलग-अलग पहलुओं को शामिल करती है और **किसी को भी पीछे नहीं छोड़ती है।** इसने ***लिंग-समावेशी आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण के माध्यम से लैंगिक समानता और महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास*** **पर जोर दिया गया** है।
- जैसे ही यह ऐतिहासिक G20 अध्यक्षता समाप्त होगी, **राष्ट्र पर इसके बहुमुखी प्रभाव पर विचार करना आवश्यक है।** **'नई दिल्ली घोषणा पत्र'** की एक परिभाषित कथन, ***"आज का युग, युद्ध का नहीं होना चाहिए"***, को ध्यान में रखते हुए, *अध्यक्ष पद की इस विरासत को जन-समर्थक और पृथ्वी-समर्थक दृष्टिकोण के साथ दुनिया की नीतियों, साझेदारियों और कार्यों को आकार देना जारी रखना चाहिए।*

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

G20: पृथ्वी, मानव, शांति और समृद्धि के लिए प्रयास

परिचय:

- G20 प्रेसीडेंसी की शुरुआत में ही, **प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा यह स्पष्ट निर्देश दिया गया था कि ग्लोबल साउथ के हितों को प्राथमिकता देते हुए इसे एक महत्वाकांक्षी और समावेशी सम्मेलन बनाना** है।
- भारतीय वार्ताकारों ने इस निर्देश को पूरी तरह से अपनाया, और सभी बाधाओं पर काबू पाते हुए, एक असाधारण उपलब्धि हासिल की - **83 सर्वसम्मत पैराग्राफ के साथ नई दिल्ली लीडर्स डिक्लेरेशन (NDLD)।**

- यह **दस्तावेज़ एक महत्वपूर्ण वैश्विक सहमति का प्रतीक है, जो साझा चुनौतियों से निपटने में एकता की ताकत पर जोर देता** है। **नई दिल्ली लीडर्स डिक्लेरेशन** (NDLD) **संघर्ष और विभाजन से विकास और सहयोग की ओर एक बुनियादी**

बदलाव का प्रतिनिधित्व करती है। यह ***भारत को G20 देशों के बीच नीति और नियामक सामंजस्य बढ़ाने के लिए समर्पित एक वैश्विक नेता*** के रूप में प्रदर्शित करता है।

मजबूत, सतत, संतुलित और समावेशी विकास:

- यह स्वीकार करते हुए कि आर्थिक विकास किसी देश की समृद्धि और विकासात्मक क्षमता को रेखांकित करता है, **नई दिल्ली लीडर्स डिक्लेरेशन (NDLD) मजबूत, टिकाऊ, संतुलित और समावेशी विकास की आवश्यकता को रेखांकित करता है,** जिसमें **नवाचार और रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने में, निजी उद्यमों, विशेष रूप से सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों और स्टार्टअप की महत्वपूर्ण भूमिका** की स्पष्ट मान्यता है।
- इसके अतिरिक्त, **यह विश्व व्यापार संगठन (WTO) के सुधार के साथ-साथ व्यापार और निवेश नीतियों को बढ़ावा देने की वकालत करता** है।
- **भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई में,** *नई दिल्ली लीडर्स डिक्लेरेशन (NDLD) सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों में पारदर्शिता, जवाबदेही और सत्यनिष्ठा को बढ़ावा देने के लिए दृढ़ प्रतिबद्धता को दोहराता है।*

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

सतत विकास लक्ष्यों (SDG) की प्रगति में तेजी लाना:

- दुनिया एक महत्वपूर्ण मोड़ का सामना कर रही है, **जिसमें अस्तित्व संबंधी चुनौतियां तत्काल ध्यान देने की मांग कर रही हैं।**
- **देशों के समक्ष अस्तित्व संबंधी चुनौतियां:**
  - ➢ संयुक्त राष्ट्र की नवीनतम SDG रिपोर्ट से पता चलता है कि SDG का केवल 12% ही सही रास्ते पर है, जबकि 2015 के बाद से 30% स्थिर हो गए हैं या पीछे चले गए हैं।
  - ➢ 2015 से 50 मिलियन हेक्टेयर वनों के नुकसान जैसे खतरनाक रुझानों से प्रेरित 1.5 डिग्री सेल्सियस तापमान वृद्धि हुई है।
  - ➢ 2020 तक और बढ़ती मौसम संबंधी आपदाएं, विकासशील दुनिया पर प्रतिकूल प्रभाव डालती हैं।
  - ➢ उच्च मुद्रास्फीति, कठोर मौद्रिक नीतियों, प्रतिबंधात्मक ऋण और कई विकासशील देशों में बढ़ते ऋण संकट से चिह्नित वैश्विक आर्थिक स्थितियों के साथ, कोविड के बाद की **अर्थव्यवस्था की बहाली अतिरिक्त चुनौतियां पेश कर रही है।**

- इन परिस्थितियों में एजेंडा 2030 के बीच समय में, **विभिन्न राष्ट्र विकास और जलवायु परिवर्तन शमन एवं अनुकूलन दोनों में एक साथ निवेश करने की आवश्यकता से जूझ रहे हैं।**
- **जलवायु और विकास दोनों पर एक साथ बल:**
  - ➢ **भारत की G20 की अध्यक्षता एक मील का पत्थर** है, जो *जलवायु और विकास दोनों एजेंडे का सफलतापूर्वक समर्थन कर रही है, और यह पहचान रही है कि देशों को गरीबी उन्मूलन और पर्यावरण संरक्षण के बीच चयन नहीं करना चाहिए*।
  - ➢ इसके नेतृत्व में, SDG प्रगति में तेजी लाने के लिए **एक कार्य योजना पेश की गई है, जिसमें क्रॉस-कटिंग दृष्टिकोण अपनाया गया है** और **विकास को आगे बढ़ाने में डेटा की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया गया** है। *विकास के लिए डेटा (D4D) के उपयोग पर G20 सिद्धांतों का समर्थन* इस प्रतिबद्धता को मजबूत करता है।
  - ➢ इसके अतिरिक्त, **खाद्य सुरक्षा और पोषण पर G20 डेक्कन उच्च-स्तरीय सिद्धांत (HLPS) 2023, बाजरा जैसे प्राचीन अनाज** को बढ़ावा देने के साथ-साथ वैश्विक

खाद्य और पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने का वादा करता है - **जो सतत विकास का एक अनिवार्य पहलू** है।

- **भारत की G20 अध्यक्षता ने स्वास्थ्य पर जलवायु परिवर्तन के गहरे प्रभाव को पहचाना** और उभरती स्वास्थ्य चुनौतियों से निपटने के **लिए डिजिटल स्वास्थ्य पर एक वैश्विक पहल की स्थापना की।**
- *अभूतपूर्व वैश्विक चुनौतियों के इस युग में **भारत का दृष्टिकोण पृथ्वी के साथ सद्भाव, सतत विकास और समावेशिता*** पर जोर देने वाले दर्शन से गूंजता है। **भारत की सांस्कृतिक विरासत में निहित इन दर्शनों ने एक अधिक न्यायसंगत और टिकाऊ दुनिया की ओर हमारी यात्रा का मार्गदर्शन किया।** हमारा दर्शन 2030 एजेंडा के सार के साथ जुड़ा हुआ है- **किसी को पीछे नहीं छोड़ना और पृथ्वी के साथ सद्भाव में रहने के साथ आर्थिक समृद्धि को संतुलित करना**।
- इस **समग्र दृष्टिकोण ने भारत के सतत विकास पथ को आकार दिया है।**
- फिर भी, अरबों से लेकर खरबों पाउंड तक का **विशाल वार्षिक SDG वित्तपोषण अंतर, सतत विकास और स्वच्छ ऊर्जा में परिवर्तन में आर्थिक विकास की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है**।

- ऐसे में '*SDG पर प्रगति में तेजी लाने के लिए G20 कार्य योजना-2023'* एक मील का पत्थर उपलब्धि है, *जो वित्त और प्रौद्योगिकी तक पहुंच जैसी चुनौतियों का समाधान करते हुए न्यायसंगत, मजबूत, टिकाऊ और समावेशी आर्थिक विकास को बढ़ावा देती* है।

हरित विकास समझौता, जलवायु वित्तीयन और लाइफ (LiFE) मिशन:

- **नई दिल्ली लीडर्स डिक्लेरेशन (NDLD) में 'हरित विकास समझौता'** शामिल है - *जो वैश्विक सहयोग के माध्यम से पर्यावरण संकट को संबोधित करने के लिए अगले दशक के लिए एक व्यापक रोडमैप है।*
- इस समझौते के लिए प्रतिबद्ध होकर, **G20 नेता एकीकृत और संतुलित तरीके से पर्यावरण की दृष्टि से टिकाऊ और समावेशी आर्थिक वृद्धि और विकास को आगे बढ़ाने का संकल्प लेते हैं, जिससे वैश्विक दक्षिण को लाभ होगा**।
- ऊर्जा परिवर्तन के मामले में ***G20 ने, अन्य पहलों के बीच हाइड्रोजन पर उच्च-स्तरीय सिद्धांत (HLPS), महत्वपूर्ण खनिज सहयोग, एक वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन और नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता को तीन गुना करने के प्रयास पर, सहमति जताई*** है।

- यह डिक्लेरेशन *एक 'चक्राकार अर्थव्यवस्था' को बढ़ावा देने पर एक मजबूत संदेश के साथ, जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता हानि और प्रदूषण को संबोधित करने में स्वस्थ पारिस्थितिकी तंत्र की भूमिका पर जोर देता* है।

- **लाइफ (LiFE) मिशन:**

  ➢ समझौते में 2030 तक महत्वपूर्ण उत्सर्जन कटौती में योगदान देने वाले **सतत विकास के लिए जीवन शैली (LiFE) पर उच्च-स्तरीय सिद्धांत (HLPS) भी शामिल** है।

  ➢ ***लाइफ (पर्यावरण के लिए जीवन शैली) मिशन दुनिया के लिए भारत की अनूठी पेशकश है,*** जो भारत की पारंपरिक, टिकाऊ प्रथाओं और दार्शनिक लोकाचार को एक स्केलेबल, वैश्विक आंदोलन में बदलने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण से पैदा हुआ है, जो **समाज के उपभोग और उत्पादन के तरीके को बदलता है।**

- **जलवायु न्याय और समानता के प्रति भारत की प्रतिबद्धता NDLD में स्पष्ट है,** जहां वे **जलवायु परिवर्तन से निपटने और सतत विकास का समर्थन करने के लिए ग्लोबल नॉर्थ से पर्याप्त वित्तीय और तकनीकी सहायता का आह्वान करते** हैं।

- विशेष रूप से, *प्रमुख विकसित अर्थव्यवस्थाओं ने अंततः विकासशील देशों को अपने NDC को पूरा करने के लिए 2030 तक 5.9 ट्रिलियन पौंड और स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों के लिए अतिरिक्त रूप से वार्षिक 4 ट्रिलियन पौंड की आवश्यकता वाले विशाल संसाधनों को पहचान लिया* है, जो **वैश्विक दक्षिण की विशाल जरूरतों को उजागर करता है।**
- **पर्याप्त वित्तपोषण की इस आवश्यकता को पहचानते हुए, G20 बेहतर, बड़े और अधिक प्रभावी बहुपक्षीय विकास बैंकों (MDB) के महत्व पर जोर देता** है और **अधिक प्रतिक्रियाशील अंतर्राष्ट्रीय विकास वित्त प्रणाली बनाने के लिए ऋण चुकौती समझौतों में मुद्रा विनिमय गारंटी और आपदा खंड** जैसे उपायों की खोज करता है।

तकनीकी परिवर्तन और डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (DPI):

- **सामाजिक-आर्थिक परिवर्तनों की अगुवाई करने** वाले हमारे अपने अनुभवों से प्रेरित होकर, **भारत के विकासात्मक तकनीकी मॉडल ने वैश्विक मान्यता प्राप्त** की है।
- **भारत में डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (DPI) का गहरा प्रभाव असंदिग्ध** है। चाहे वह डिजिटल भुगतान हो, Covin ऐप हो, डिजीलॉकर हो, या डायरेक्ट बेनिफिट

ट्रांसफर (DBT) हो, *यह तकनीक दूर-दराज के कोने-कोने तक पहुंचने और जीवन को गहराई से बदलने में सहायक रही* है।

- इस प्रभावशाली यात्रा पर प्रकाश डालते हुए **डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (DPI) के लिए G20 फ्रेमवर्क पर आम सहमति स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।**
- **'वन फ्यूचर एलायंस' के सहयोगात्मक प्रयासों के माध्यम से, भारत निम्न और मध्यम आय वाले देशों (LMIC)** को उनके DPI सिस्टम के विकास को बढ़ावा देने के लिए **क्षमता निर्माण और वित्तीय सहायता समर्थन,** दोनों प्रदान कर रहा है।
- इस **सामूहिक प्रयास का उद्देश्य राष्ट्रों को अपने समाज की बेहतरी के लिए डिजिटल बुनियादी ढांचे (DPI) की क्षमता का उपयोग करने के लिए सशक्त बनाना** है।

लैंगिक समानता और महिलाओं सशक्तिकरण:

- नई दिल्ली लीडर्स डिक्लेरेशन (NDLD) बहुआयामी है, इ**समें मानव-केंद्रित विकास के विभिन्न पहलुओं को शामिल किया गया है और किसी को भी पीछे नहीं छोड़ा गया है।**

- यह **महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास, आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण, लिंग-समावेशी जलवायु कार्रवाई और महिलाओं की खाद्य सुरक्षा** का समर्थन करता है, जो इसे लैंगिक समानता और महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास के लिए सबसे महत्वाकांक्षी विज्ञप्ति के रूप में चिह्नित करता है।
- इसके अलावा, **महिला सशक्तिकरण के लिए G20 की प्रतिबद्धता का उदाहरण महिला कार्य समूह की स्थापना** है, जिसकी पहली बैठक ब्राजील की अध्यक्षता के दौरान होने वाली है।

वैश्विक दक्षिण की आवाज़:

- भारत की अध्यक्षता के केंद्र में एक दूरदर्शी प्रस्ताव था - **अफ्रीकी संघ (AU) को G20 के स्थायी सदस्य के रूप में शामिल करना।** यह **प्रस्ताव एक कठोर वास्तविकता पर आधारित था:** *अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) के अनुसार, ग्लोबल साउथ और विशेष रूप से अफ्रीका, वैश्विक आर्थिक विकास के 80% के वृद्धि के लिए जिम्मेदार है।*
- **वैश्विक आर्थिक गतिशीलता में इस मूल्यवान बदलाव को स्वीकार करते हुए, भारत ने G20 में अफ्रीकी संघ की स्थायी सीट की वकालत की।**

- भारत की G20 अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण क्षण **"वॉयस ऑफ द ग्लोबल साउथ शिखर सम्मेलन" का आयोजन था।** ***इस शिखर सम्मेलन ने ग्लोबल साउथ के राष्ट्रों के लिए वैश्विक मंच पर अपनी चिंताओं, आकांक्षाओं और प्राथमिकताओं को स्पष्ट करने के लिए एक अमूल्य मंच*** के रूप में कार्य किया।
- वास्तव में, भारत की संपूर्ण G20 प्रेसीडेंसी ने बहुपक्षीय विकास बैंकों (MDB) में सुधार, डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे (DPI), और जलवायु कार्रवाई जैसे मुद्दों पर जोर दिया, यह मानते हुए कि **ये विकासशील दुनिया के लिए महत्वपूर्ण चिंताएं हैं।**
- इन कारणों का समर्थन करते हुए, ***भारत का उद्देश्य ऐतिहासिक असंतुलन को दूर करना और यह सुनिश्चित करना था कि विकासशील देशों की आवाज़ वैश्विक मंच पर न केवल सुनी जाये बल्कि संबोधित भी की जाए***, जिससे वैश्विक शासन के लिए अधिक न्यायसंगत और समावेशी दृष्टिकोण को बढ़ावा मिले।

आम लोगों का G20:

- भारत ने **जनभागीदारी कार्यक्रमों के माध्यम से, देश भर के नागरिक G20 से संबंधित कार्यक्रमों और गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल हुए।**

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

- 60 शहरों में 220 से अधिक बैठकों और 25,000 से अधिक प्रतिनिधियों की भागीदारी के साथ, G20 विभिन्न पृष्ठभूमि के लोगों के लिए सुलभ हो गया।
- भारत के *'सहकारी संघवाद' मॉडल ने, राज्य और केंद्रीय अधिकारियों के बीच सहयोग को बढ़ावा देते हुए, परिवर्तनकारी शहरी विकास पहलों को जन्म दिया और स्वदेशी सांस्कृतिक विरासत का प्रदर्शन किया,* जिससे पर्यटन को बढ़ावा मिला और रोजगार के अवसर पैदा हुए।
- **G20 से जुड़े विभिन्न समूहों में भी पर्याप्त नागरिक भागीदारी देखी गई, जिसमें पूर्वोत्तर राज्यों और जम्मू-कश्मीर सहित विभिन्न क्षेत्रों में नवीन गतिविधियों** का विस्तार हुआ और सोशल मीडिया ने इस पहुंच को और बढ़ाया।
- **उल्लेखनीय है कि तेजी से विभाजित होती दुनिया में, भारत के लोगों द्वारा संचालित और मानव-केंद्रित G20 प्रेसीडेंसी ने सामूहिक कार्रवाई की शक्ति का प्रदर्शन किया।**
- **प्रधानमंत्री ने इसे 'लोगों की अध्यक्षता' के रूप में संदर्भित किया** जो **अधिक न्यायसंगत वैश्विक भविष्य को आकार देने में दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की भावना का प्रतीक है।**

By: अमिताभ कांत (भारत के G20 के शेरपा)